शोध सारांश

प्रस्तुत शोध का शीर्षक "ग्रामस्वराज्य की अवधारणा और हिवरे बाजार एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" है. प्रस्तुत शोध के माध्यमसे ग्रामस्वराज्य की अवधारणा और हिवरेबाजार का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है. महात्मा गाँधी जी ने अपने ग्रामस्वराज्य में जिस ग्रामों की कल्पना की थी वही गाँव हिवरे बाजार में परिपूर्ण होता दिखता है. भारत देश यह ग्रामों का देश है और इन्हीं ग्रामों को विकसित करने का सपना ग्राम स्वराज्य में अंतर्भूत किया है.

हिवरेबाजार एक आदर्श ग्राम है जो अपनी सभी प्राथमिक जरूरतों को गाँव में ही पूरा कर लेता है. ग्रामस्वराज्य में जैसा आत्मनिर्भर और स्वावलंबी गाँव की बात की गयी वही गाँव आदर्श गाँव हिवरेबाजार है. हिवरेबाजार गाँव के ग्रामीणों ने अपने उजड़े हुए गाँव को विकासित किया. हिवरेबाजार गाँव की अपनी पानी की व्यवस्था है. जहाँ पानी जरुरत के हिसाब से उपयोग में लाया जाता है. पर्यावरण को लेकर सजगता है क्योंकि वहाँ पौधारोपण कर जंगल को बढ़ाया गया है. सम्पूर्ण गाँव का परिसर पेंड-पौधों से हरा-भरा दिखता है. शिक्षा की अच्छी व्यवस्था की गयी है. गाँव में माध्यमिक स्तर तक का स्कूल है. बच्चों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है. खेल - कूद के मैदान के साथ स्कूल में ही व्यायामशाला है. पुस्तकालय की भी सुविधा उपलब्ध की गई है. बच्चों को पौष्टिक आहार भी परोसा जाता है जो ग्राम स्वराज में बताया गया है. गाँव में कृषि का अच्छा नियोजनकिया. बागवानी पर भी ध्यान दिया गया है. गाँव में ऐसी फसल उगाई जाती है जिस फसल को पानी कम मात्रा में लगता हो. गन्ना जैसे फसलो पर सर्वसम्मति से पाबंदी है. अनार की खेती भी की जाती है जो एक उद्योग की तरह लोगों को काम देता है इससे गाँव वालों को आर्थिक आमदनी भी होती है और लोगों को काम के रूप में गाँव में ही रोजगार उपलब्ध होता है. गाँव में पशुपालन किया जाता है. उससे दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिला है. गाँव में ही सहकारी दुग्ध डेयरी है. जिससे लोगों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होती है. दुग्ध उत्पादन से बहुत लोगों को रोजगार मिला है . गाँव में तो कुछ लोगों ने दुग्ध व्यवसाय को ही अपना मुख्य काम बना लिया है.

सर्वधर्मसमभाव की भावना को आदर्श गाँव हिवरे बाजार में दिखती है. यहाँ पर प्रार्थना घर भी बनाये गए है. यहाँ तक हिन्दुओं ने गाँव के एक मात्र मुस्लिम परिवार के लिए मस्जिद बनाई है. गाँव में दारुबंदी भी की गयी है क्योंकि दारू से ही इन्सान, इन्सान का फर्क भूल जाता है जो इस मानव जीवन के लिए

हानिकारक होता है. गाँव में शासन व्यवस्था प्रत्यक्ष जनता के हाथ में है. यहाँ एक स्वराज्य स्थापना हुआ है.ग्रामस्वराज्य की अवधारणा के अनुसार सबके सहमती से एक सरपंच का चुनाव यहाँ किया गया है जो प्रधान का काम करता है. गाँव में एक ग्रामपंचायत घर है जिसे 'ग्रामसंसद' नाम दिया है. गाँव में होने वाले सभी कार्यों का निर्णय यहाँ लिया जाता है. गाँव की कोई समस्या हो, कोई योजना हो, या गाँव से संबंधित कोई भी मामला हो इस ग्रामपंचायत में सब ग्रामीणों के सामने ग्रामसभा में उसे रखा जाता है, उसपर चर्चा की जाती है. गाँव के हर नागरिक के विचारों को यहाँ सुना जाता है और निर्णय लिया जाता है.

आज हिवरेबाजार गाँव एक आदर्श गाँव है जो देश के सभी गाँवों के लिए एक प्रेरना की तरह है. इस गाँव से सीख लेकर दुसरे गाँव अपने गाँव को विकसित कर सकते है जिससे गाँव का परिणामतः देश का विकास होगा और सही मायने में ग्रामस्वराज्य स्थापित होगा.